संक्षेप में

ऑटो पीएलआई में ढील की जरूरत : ऑयलर

ऑयलर मोटर्स के संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी सौरव कुमार ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप को लाभ पहुंचाने और देश की हरित गतिशीलता के सफर में योगदान देने के लिए ऑटोमोबाइल पीएलआई योजना के मानदंडों में ढील देने की जरूरत है। कुमार ने कहा कि ऑटो क्षेत्र के लिए पीएलआई में निर्धारित राजस्व और निवेश की अधिक सीमा का मतलब है कि ऑयलर मोटर्स जैसी कंपनी इस योजना में भाग नहीं ले पाई है। कंपनी छोटे इलेक्ट्रिक ट्रकों और तिपहिया वाहन खंड में सक्रिय है। ऑटो पीएलआई योजना के पात्रता मानदंडों के अनुसार किसी ओईएम का न्यूनतम वैश्विक समूह राजस्व 10,000 करोड़ रुपये होना चाहिए और अचल संपत्तियों में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश होना चाहिए। *भाषा*

जैक्वार समूह की नजर लाइटिंग व्यवसाय पर

बाथरूम और लाइटिंग समाधान मुहैया कराने वाले जैक्वार समूह ने अगले तीन वर्षों में लाइटिंग व्यवसाय के राजस्व को 1,700 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के पोर्टफोलियो में एलईडी, व्यावसायिक, आउटडोर और फ्लाइ लाइटिंग के अलावा बल्ब और ट्यूब लाइट जैसे उपभोक्ता प्रकाश उत्पाद शामिल हैं। जैक्वार समूह के निदेशक (प्रकाश उत्पाद) रणबीर मेहरा ने लाइटिंग व्यवसाय की वृद्धि संभावनाओं पर एक सवाल के जवाब में कहा, 'अगले तीन वर्षों में हमारा लक्ष्य लाइटिंग व्यवसाय के राजस्व को 1,600 करोड़ से 1,700 करोड़ रुपये तक ले जाना है। *भाषा*

दवा विनिर्माता बढ़ा रहे क्षमता

अंजलि सिंह
मुंबई, 8 मार्च

देश में ठेके पर दवा तैयार करने वाली कंपनियां (सीडीएमओ) क्षमता और तकनीक संबंधी निवेश में विस्तार कर रहे हैं क्योंकि वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनियां कॉम्प्लेक्स दवाओं के विकास और विनिर्माण के काम को तेजी से आउटसोर्स कर रही हैं।

साई लाइफ साइंसेज, वनसोर्स स्पेशलिटी फार्मा और एकम्स ड्रग्स ऐंड फार्मास्युटिकल्स जैसी कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि उनके निवेश का मकसद विनिर्माण के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करना तथा ड्रग-डिवाइस कॉम्बिनेशन, पेप्टाइड्स और स्टेराइल इंजेक्शन जैसे क्षेत्रों में उभरते मौकों के लिए तैयारी करना है।

हैदराबाद की साई लाइफ साइंसेज अगले पांच साल के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में अपनी मौजूदगी में खासा इजाफा करने की योजना बना रही है। प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी कृष्ण कनुमुरी ने कहा कि कंपनी का इरादा अपनी क्षमता को मौजूदा लगभग 700 घन मीटर की तुलना में तीन गुना करके 2,000 घन मीटर से ज्यादा करना है।

कनुमुरी ने कहा, 'हम अगले 12 महीने में लगभग 500 घन मीटर क्षमता जोड़ रहे हैं और एक नया कार्यस्थल बना रहे हैं जिसे लगभग 1,300 घन मीटर तक बढ़ाया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि यह विस्तार केवल वॉल्यूम तक ही सीमित नहीं होगा, बल्कि पेप्टाइड्स, एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स (एडीसी) और ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स जैसी ज्यादा जटिलता वाली तकनीकों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

साई लाइफ साइंसेज ने वित्त वर्ष 20 से अनुसंधान और विनिर्माण क्षमता बढ़ाने, बोस्टन और मैनचेस्टर में लैब बनाने, गुणवत्ता प्रणाली मजबूत करने और विकास की समयसीमा तेज करने के लिए तकनीकी प्लेटफॉर्म जोड़ने में 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है।

कनुमुरी ने कहा कि कंपनी की रणनीति दवा की खोज, विकास और वाणिज्यिक विनिर्माण को शामिल करते हुए सीडीएमओ का शुरु से आखिर तक का प्लेटफॉर्म बनाना है। उन्होंने कहा, 'हम शायद अकेली ऐसी कंपनी हैं, जो बड़े स्तर पर निवेशकों के लिए वाणिज्यिक स्तर वाले विनिर्माण के जरिये खोज की भी पेशकश कर रही है।'

वनसोर्स स्पेशलिटी फार्मा में ड्रग-डिवाइस कॉम्बिनेशन और स्टेराइल विनिर्माण में क्षमता बढ़ाने पर जोर है। मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक नीरज शर्मा ने कहा कि कंपनी ने अपने पहले घोषित 10 करोड़ डॉलर के पूंजीगत व्यय कार्यक्रम में से 7.5 करोड़ डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है।

शर्मा ने कहा, 'वे निवेश मुख्य रूप से हमारी ड्रग-डिवाइस कॉम्बिनेशन क्षमताओं को बढ़ाने और हमारे स्टेराइल फिल-फिनिश के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए हैं।' इन निवेशों का मकसद कंपनी के शुरु से आखिर तक के प्लेटफॉर्म को मजबूत करना और जीएलपी-1 उपचार की आने वाली वैश्विक पेशकशों की तैयारी कर रहे ग्राहकों की मदद करना है। कंपनी ने कहा कि क्षमता बढ़ाने का काम ग्राहक की मांग के अनुमानों के अनुरूप चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है।

इस बीच एकम्स ड्रग्स ऐंड फार्मास्युटिकल्स अपना विनिर्माण नेटवर्क मजबूत करने के लिए कई डोज फॉर्मेट और क्षमता में निवेश कर रही है। कंपनी की निदेशक आरुषि जैन के मुताबिक एकम्स रखरखाव और विकास के पूंजीगत व्यय पर सालाना लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये खर्च करती है। कंपनी ने हाल में अपनी बद्दी इकाई में लगभग 150 करोड़ रुपये के निवेश से चार नए विनिर्माण खंड जोड़े हैं।

सीडीएमओ तकनीकी निवेश में कर रहे वृद्धि

- साई लाइफ साइंसेज ने वित्त वर्ष 20 से तकनीकी प्लेटफॉर्म जोड़ने में 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया
- वनसोर्स स्पेशलिटी फार्मा भी ड्रग-डिवाइस कॉम्बिनेशन और स्टेराइल विनिर्माण में क्षमता बढ़ाने पर दे रही है जोर

यूरोप-उत्तरी अमेरिका के लिए एयर इंडिया की अतिरिक्त उड़ानें

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 8 मार्च

एयर इंडिया ने अपना ध्यान यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया पर केंद्रित कर लिया है और वहां कई शहरों के लिए उड़ानें बढ़ा रही है। इसकी वजह इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक हवाई सेवाओं पर लगा प्रतिबंध है।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने रविवार को घोषणा की कि वह 10 से 18 मार्च के बीच न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। साथ ही माले और कोलंबो के लिए भी सेवाएं शुरू करेगी। एयरलाइन ने कहा कि इन अतिरिक्त सेवाओं से दोनों दिशाओं में नौ मार्गों पर 17,660 सीटें जुड़ जाएंगी।

एयर इंडिया ने कहा कि ये अतिरिक्त उड़ानें उन यात्रियों की मदद के लिए हैं, जिनके पास सीमित विकल्प हैं क्योंकि पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र पर पाबंदी के कारण कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं या उनका मार्ग बदलना पड़ा है। एयर इंडिया की यूरोपीय सेवाएं बोइंग 787-8 विमानों से संचालित की जाएंगी जबकि न्यूयॉर्क की उड़ानें नियामकीय मंजूरी के बाद बोइंग 777-300ईआर विमानों से संचालित की जाएंगी।

एयरलाइन के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, मुश्किल हालात के बावजूद एयर इंडिया यूरोप और उत्तर अमेरिका के लिए अपनी निर्धारित सेवाएं जारी रखे हुए है और संचालन के लिए सुरक्षित माने जाने वाले वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करके कई अंतरराष्ट्रीय गेटवे से कनेक्टिविटी बनाए रख रही है।

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बहाल की हैं। रविवार को एक्स पर जारी एक यात्रा सलाह में एयरलाइन ने कहा, उसने यूरोप के लिए उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं और पश्चिम एशिया के आठ गंतव्यों के लिए उड़ानें जारी रखेगी। उसने यह भी चेतावनी दी कि हालात में बदलाव के साथ समयसारणी में भी अचानक परिवर्तन हो सकता है।

हालांकि, उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से बचने के लिए विमानन कंपनियों को काफी लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। इंडिगो ने रविवार को मुंबई-लंदन उड़ान फिर से शुरू की, जिसके लिए उसने यूरोपीय कंपनी नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 विमान का इस्तेमाल किया। यह उड़ान मुंबई से अफ्रीका के ऊपर से होते हुए दक्षिण की ओर गई और फिर लाल सागर पार करके मिस्र में प्रवेश किया। इससे उड़ान की अवधि लगभग 10 घंटे 30 मिनट बढ़ गई। उड़ान में इस्तेमाल विमान यूरोप में पंजीकृत है। इसलिए यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के दिशानिर्देशों के दायरे में आता है, जिसने एयरलाइंस को पश्चिम एशियाई हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह दी है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भारतीय एयरलाइंस छोटे प ाकिस्त ान - अ फ ग ानिस्त ान कॉरिडोर का उपयोग नहीं कर सकती हैं क्योंकि पाकिस्तान ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारतीय विमानों को अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक रखा है, जिससे उनके पास सीमित विकल्प हैं। 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर सैन्य हमले किए जिसका ईरान ने जवाब दिया। लिहाजा, वाणिज्यिक हवाई वातायात पर व्यापक प्रतिबंध लग गए। खाड़ी के कई देशों ने तब से अपने हवाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों को बंद या प्रतिबंधित कर दिया है, जिससे एयरलाइनों को यूरोप और उत्तर अमेरिका के लिए उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या दक्षिणी सऊदी अरब जैसे वैकल्पिक मार्गों से सेवाएं चलानी पड़ीं।

अरण्य रियल एस्टेट फंड ने जुटाए 1,030 करोड़ रु

अरण्य रियल एस्टेट्स फंड एडवाइजर्स ने डेवलपर सुप्रीम यूनिवर्सल के साथ भागीदारी में अपने अरण्य रियल एस्टेट फंड- इक्विटी की पहली क्लोजिंग की घोषणा की है। इसमें घरेलू और ऑफशोर निवेशकों से 1,030 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धताएं हासिल की गई हैं। यह पैसा मुंबई और पुणे में आवासीय परियोजनाओं में लगाया जाएगा।

अरण्य रियल एस्टेट्स फंड एडवाइजर्स के संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी शरद मित्तल ने कहा, 'कुछ रीडेवलपमेंट ट्रांजैक्शन पर बातचीत चल रही है और जैसे ही हम पहला फंड क्लोज करेंगे, हम उन ट्रांजैक्शन पर गौर करना शुरू कर देंगे। फंड का बड़ा फोकस मुंबई में पुनर्विकास को प्रमुख रणनीति के तौर पर देखना है।' ज्यादातर पैसा देश में ही जुटाया गया है और चुनिंदा तौर पर पश्चिम एशिया और सिंगापुर से भी पूंजी जुटाई गई है। *बीएस*

दवा बाजार में 11% की वृद्धि

बाजार अनुसंधान फर्म फार्मारैक के अनुसार, भारतीय दवा बाजार (आईपीएम) में इस साल फरवरी में 11 फीसदी की वृद्धि हुई, जहां प्रमुख थेरेपी की कीमत में सकारात्मक वृद्धि देखी गई।

इनमें से मधुमेह-रोधी, हृदय-रोधी और संक्रमण-रोधी उपचारों में क्रमशः 15.5 फीसदी, 14.8 फीसदी और 7.6 फीसदी की उच्च मूल्य वृद्धि देखी गई, जिसने समग्र आईपीएम वृद्धि को गति प्रदान की। फार्मारैक की उपाध्यक्ष (वाणिज्यिक) शीतल सपले ने कहा, प्रमुख उपचारों में तीनों विकास कारकों नए उत्पादों की शुरुआत, कीमत और वॉल्यूम में सकारात्मक वृद्धि देखी गई। उन्होंने कहा कि बाजार में उच्च मांग के कारण वृद्धि देखी जा रही है और आईपीएम ने पिछले दो से तीन महीनों में अच्छी वॉल्यूम वृद्धि दर्ज की है। मार्च 2025 से फरवरी 2026 के बीच आईपीएम के मूविंग एनुअल टर्नओवर (एमएटी, पिछले 12 महीनों का टर्नओवर) में 8.4 फीसदी की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप कुल टर्नओवर 2.44 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया जबकि घरेलू बाजार में यूनिट्स में 0.7 फीसदी का इजाफा हुआ।

अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी एलाई लिली की मोटापा-रोधी दवा मोन्जारो (तिरजेपाटाइड) लगातार पांचवें महीने भारत में सबसे अधिक बिकने वाली दवा बनकर उभरी है। *बीएस*

पंजाब नैशनल बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) | pnb | punjab national bank (Govt. of India Undertaking) | ई-नीलामी बिक्री सूचना

सर्कल कार्यालय : उत्तर 24 परगना

48-ए, जेशोर रोड, बारासात (सेंट पुक्कर के निकट), पश्चिम बंगाल, पिन-700 124, दूरभाष: 033- 2584 4169, ई-मेल: cs8291@pnb.co.in

अचल/चल सम्पत्तियों की ई-नीलामी बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के प्रावधानों के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा आम तौर पर जनसाधारण तथा विशेष रूप से कर्जदार(ों) तथा गारंटर(ों) को सूचना दी जाती है कि नीचे उल्लेखित अचल सम्पत्तियां **पंजाब नैशनल बैंक** (प्रत्याभूत ऋणदाता) के पास गिरवी रखी गई है/भारगिरत की गई है, **पंजाब नैशनल बैंक** के अधिकृत अधिकारी ने उस पर कब्जा (प्रत्येक सम्पत्ति के समक्ष वर्णित भौतिक/संरचनात्मक) कर लिया है, जिसे निम्नलिखित कर्जदारों तथा गारंटरों से **पंजाब नैशनल बैंक** के नीचे उल्लेखित बकाया रकम एवं आगे के ब्याज, प्रभार तथा शुल्कों आदि की रकम की वसूली के लिए निम्नलिखित तिथियों को **"जैसे है जहां है", "जैसे है जो कुछ है"** तथा **"यहां जो कुछ है"** के आधार पर बिक्री की जाएगी। प्रत्येक सम्पत्ति के लिए आरक्षित मूल्य तथा बयाना राशि जमा (ईएमडी) का विवरण नीचे उल्लेखित है। अधिहरणकारी द्वारा वेब पोर्टल (**https://www.baanknet.com**) पर प्रदत्त ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के जरिए बिक्री सम्पन्न की जाएगी। जनसाधारण को व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रतीभूति अधिकृत एजेंट के जरिए बोली लगाने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

ईएमडी तथा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय: 27.03.2026 को अपराह्न 4.00 बजे तक

ईएमडी ई-बिक्रय पोर्टल: https://baanknet.com पर जमा की जानी चाहिए

अधिकृत अधिकारी/अन्य अधिकारी का सम्पर्क विवरण:
श्री संजीव दास, मोबाइल नं.: 98319 35226 एवं श्री मनीष भट्टोपाध्याय, मोबाइल : 85828 64788, ई-मेल: cs8291@pnb.co.in

क्र. सं.	क) कर्जदार/गारंटीदाताओं के नाम एवं पता ख) शाखा का नाम ग) सम्पत्ति आईडी	सम्पत्ति का स्थान एवं विवरण	13(2) सूचना के अनुसार बकाया रकम जिसके लिए सम्पत्ति की बिक्री की जा रही है	क) आरक्षित मूल्य (लाख में) ख) ईएमडी (लाख में) ग) बोली गुणक (लाख में)	क) ई-नीलामी की तिथि एवं समय ख) ऋणभार का ब्योरा
1.	क) 1. मैसर्स आस्था निर्माण उद्योग साझेदारगण : सुरोज तमांग, राजीव भट्टाचार्जी तथा इरान सांतरा 2. श्री सुरोज तमांग पुत्र श्री कुबीर तमांग 3. श्री राजीव भट्टाचार्जी पुत्र स्वर्गीय रवीन्द्र नारायण भट्टाचार्जी 4. श्री इरान सांतरा ख) बेरकपुर बार कोर्ट शाखा ग) PUNBABA40437824	होल्डिंग/परिसर सं. 22/109/24, आईनाथी, डाकघर-सौरगी मोड़, थाना-अशोकनगर (हाबरा), पिन-743 222, जिला-उत्तर 24 परगना, मौजा-बाईनाथी, आरई, एसए, सं. 203, जे.एल. सं. 65, तौजी सं. 2011, एलआर खतियान सं. 534, नई एल.आर. खतियान सं. 534, नई एल.आर. खतियान सं. 1952, आर.एस./एल.आर. थाना सं. 1581, नगरपालिका अर्थाकनगर कल्याणगढ़, वार्ड सं. 22 में स्थित सम्पत्ति, कुल वासु भूमि का क्षेत्रफल 1 एवं 1/2 सतक कनौवेया शाल में आंशिक रूप से एक मंजिला पक्का भाग तथा आंशिक रूप से अपर टी शर्ट, मकान, का समपूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्सा, बिक्री विलेख सं. 2231 वर्ष 1996 के मर्तनामा, श्री इरान सांतरा, पुत्र कृष्ण पद सांतरा के नाम पर। (प्रतीकात्मक कब्जा के अधीन)	रु. 15,95,174.50 साथ में दिनांक 01.01.2020 से प्रभारी आगे के ब्याज एवं शुल्क	रु. 8.20 लाख रु. 0.82 लाख रु. 0.10 लाख	रु. 27.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक रु. बैंक को ज्ञात नहीं
2.	क) 1. जयदेव बर्मन, पुत्र स्व मोहन बर्मन 2. निमती बर्मन पत्नी जयदेव बर्मन ख) बनगांव शाखा ग) PUNB3GY9435767	मौजा-जगाईपुर, जे.एल. सं. 82, सर्वेक्ष खतियान सं. 363, एलआर खतियान सं. 1426 (म्यूटेशन प्रमाणपत्र दिनांक 15.04.2017 के अनुसार), सर्वेक्ष एवं एलआर दाग सं. 640, स्थानीय अधिकार क्षेत्र जगाईपुर ग्राम पंचायत, थाना + डाकघर-जगाईपुर, जिला-उत्तर 24 परगना, एडीएसआर-बनगांव में स्थित एवं पड़ी हुई 6 शतक परिमाण की वास्तु/तोती भूमि के साथ उस पर भवन का समपूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्सा, बिक्री विलेख सं. 3798 वर्ष 1987 के मर्तनामर, एडीएसआरओ-बनगांव, जिला-उत्तर 24 परगना में बही सं. 1, सीरी सीयूएन सं. 47एफ, पृष्ठ सं. 155 से 160 में दर्ज, सम्पत्ति जयदेव बर्मन के नाम पर दर्ज है। (प्रतीकात्मक कब्जा के अधीन)	रु. 7,89,215.23 साथ में दिनांक 01.06.2024 से प्रभारी आगे के ब्याज एवं शुल्क	रु. 8.40 लाख रु. 0.84 लाख रु. 0.10 लाख	रु. 27.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक रु. बैंक को ज्ञात नहीं
3.	क) 1. मैसर्स मोमनी इंटरप्राइज स्वत्वाधिकारी: श्री. रफीकुद्दीन 2. श्री. मेसबाउद्दीन पुत्र मोहिउद्दीन ख) दंगरंग शाखा ग) PUNBABA40367636	ग्राम + मौजा-बैरापुर, डाकघर-बैरापुर, थाना-शासन, पानती कॉलेजपाड़ा ग्राम पंचायत,जिला-24 परगना उत्तर, मौजा-बैरापुर, पिन-743 423 के अधीन होल्डिंग दाग सं. 901, जे.एल. सं. 160, एल.आर. खतियान सं. 650/1, आर.एस. एवं एल.आर. दाग सं. 901 में 09 डेसिमल (लगभग) परिमाण की भूमि के साथ भवन का संपूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्सा। एडीएसआर-बारासात, 24 परगना (उत्तर) के कार्यालय में पंजीकृत उपहार विलेख सं. 4354 वर्ष 2001 के मर्तनामर, श्री. रफीकुद्दीन तथा श्री. मेसबाउद्दीन के नाम पर। सम्पत्ति पर श्री. रफीकुद्दीन तथा श्री. मेसबाउद्दीन द्वारा संयुक्त रूप से गतिविधान अधिकार है। (प्रतीकात्मक कब्जा के अधीन)	रु. 10,12,580.16 साथ में दिनांक 01.05.2021 से प्रभारी आगे के ब्याज एवं शुल्क	क) रु. 25.10 लाख रु. 2.51 लाख रु. 0.30 लाख	क) 27.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक रु. एसए/425/2019 सीआरटी-III, कोलकाता
4.	क) 1. मैसर्स सी. के. इंटरप्राइज स्वत्वाधिकारी: श्रीमती पापिया कर 2. श्री देवाशीष कर, पुत्र स्वर्गीय धनिक कर ख) बारासात शाखा ग) PUNBABA40342942	मौजा-हाजरापुर, जे.एल. सं. 41, आरई, एसए. सं. 242, तौजी सं. 146, अरएल खतियान सं. 862, एलआर खतियान सं. 1512, आरएस दाग सं. 211, एलआर दाग सं. 130 में वार्ड सं. 6, गया वार्ड सं. 30 के स्थानीय अधिकार क्षेत्र के अधीन, होल्डिंग सं. 1/07, बारासात नगरपालिका के अधीन हरिपाल रोड रोड, डाकघर + थाना-बारासात, जिला-उत्तर 24 परगना में स्थित 1 कट्ठा 4 छटाक परिमाण की भूमि पर तैयार लगभग 100 वर्ग फीट (अवशेषित क्षेत्रफल) तथा 120 वर्ग फीट (कुल बिल्ट अप एरिया) के कार्यालय की जगह के समपूर्ण एवं सर्वांगीण अधिकार के साथ सुखमोय का अधिकार। एडीएसआरओ-बारासात में बही सं. 1, सीरी सीयूएन सं. 37, पृष्ठ सं. 781 से 798 में पंजीकृत बिक्री विलेख सं. 05838 के माध्यम सम्पत्ति देवाशीष कर के नाम पर दर्ज है। शीप का घेरा एवं चौहदी निम्नानुसार है: पाउर की ओर - कमरा सं. 4, दक्षिण की ओर - कमरा सं. 6, पूर्व की ओर - 4 फीट सार्वजनिक पैसेज, पश्चिम की ओर - अश्रय गुप्तजी की सम्पत्ति। (प्रतीकात्मक कब्जा के अधीन)	रु. 4,85,845.00 साथ में दिनांक 31.05.2015 से प्रभारी आगे के ब्याज एवं शुल्क	रु. 5.60 लाख रु. 0.56 लाख रु. 0.10 लाख	रु. 27.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक रु. बैंक को ज्ञात नहीं
5.	क) तपन मंडल पुत्र स्वर्गीय भूतनाथ मंडल ख) हाबोरा शाखा ग) PUNBABA40422630	मौजा-धोपाडरिया, जे.एल. सं. 202, थाना बारासात के अधीन, जिला-उत्तर 24 परगना आर.एस. एवं एल.आर. दाग सं. 403, एल.आर. खतियान सं. 308, कृषि खतियान सं. 304, एडीएसआरओ-बारासात में स्थित कनौवेया 32 शतक परिमाण के मुरुक के संबंधित सामिल गिरवी पर रखी गई जमीन एवं भवन। बिक्रय सं. 1-03417 वर्ष 2011। श्री तपन मंडल पुत्र स्वर्गीय भूतनाथ मंडल द्वारा सम्पत्ति पर मालिकाना भाग। (प्रतीकात्मक कब्जा के अधीन)	रु. 4,90,000.00 साथ में दिनांक 31.05.2015 से प्रभारी आगे के ब्याज एवं शुल्क	रु. 23.10 लाख रु. 2.31 लाख रु. 0.25 लाख	रु. 27.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक रु. बैंक को ज्ञात नहीं

नियम एवं शर्तें

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियम एवं शर्तों तथा नीचे उल्लेखित शर्तों के अनुसार सम्पत्ति की बिक्री की जाएगी:
1. सम्पत्ति की बिक्री "जैसे है जहां है", "जैसे है जो कुछ है" तथा "यहां जो कुछ है" के आधार पर बिक्री की जाएगी।
2. यहां ऊपर अनुसूची में उल्लेखित प्रत्याभूत सम्पत्तियों का विवरण अधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान के अनुसार प्रस्तुत किया गया है, परंतु अधिकृत अधिकारी इस घोषणा में किसी भी तरह की त्रुटि, गलत विवरण अथवा चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।
3. अधिहरणकारी द्वारा बिक्री पोर्टलसूट https://baanknet.com पर प्रदत्त ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के जरिए संपादित की जाएगी।
4. बिक्री की विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया https://baanknet.com एवं www.pnbindia.in का अवलोकन करें।
5. बैंक संबंधित सम्पत्तियों के लिए किसी भी प्रकार की विधिक कवायत के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। किसी भी प्रकार के कर के भुगतान के लिए केवल क्रेता की जिम्मेदार होगा।

तारीख: 09.03.2026
स्थान: बारासात

अधिकृत अधिकारी
पंजाब नैशनल बैंक

BURDWAN MUNICIPALITY
Engineering Development Department
ENIT- 36/2025-2026/2nd Call
Vide Memo No:-550/E.D./ENIT-36/2025-26/2nd call/B.1-1/2025 Dated-06/02/2026
Sealed Tenders are invited from bonafide agencies for Construction of CAR Shed at Tinkonia In Ward No. 07 within Burdwan Municipality under 15th FC Tied (SWM) Fund Last date of submission:- 25/03/2026 up to 16.00 hrs. For details visit : www.wbtenders.gov.in, www.burdwanmunicipality.gov.in. Further corrigendum & addendum if issued will be published on the above website.
Sd/- Chairman
Burdwan Municipality

BURDWAN MUNICIPALITY
Engineering Development Department
ENIT- 46/2025-26
Tender Ref. No. WBMAD/BM/CIVIL/46/2025-2026
Vide Memo No. 562/E.D./e-N.I.T-46/2025-26/ Sl. 1-1/2025, Dated : 16.02.2026
Sealed Tenders are invited from bonafide agencies for Cleaning of High Drain from Ramnatagan 1st Gate to Sun Hospital in Ward No - 01 & 27 within Burdwan Municipality under 15th FC Tied (SWM). Last date of submission:-25/03/2026 up to 16.00 hrs. For details visit : www.wbtenders.gov.in, www.burdwanmunicipality.gov.in. Further corrigendum & addendum if issued will be published on the above website.
Sd/-
Chairman
Burdwan Municipality

OFFICE OF THE JAMBONI PANCHAYAT SAMITY
JHARGRAM
Ph. No. + Fax No.: 03221-268249; EMAIL ID: bdojhargram@gmail.com
NOTICE INVITING e-TENDER
Tender Reference: WB.JGM/JAMBONI/EO/NIT-91/2025-26
Bid submission closing date: 21/03/2026 AT 05:00 PM
(Submission of Bid through online- www.wbtenders.gov.in/nicgep/app)
Sd/- Block Development Officer, Jamboni Development Block

SBI
सूचना सुरक्षा विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, ग्लोबल आईटी-सेन्टर, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई - 400614
प्रस्ताव हेतु अनुरोध
संदर्भ SBI/GITC/Information Security Department/2025/2026/1440
दिनांकित: 06.03.2026 और बोली संख्या GEM/2026/B/7320784
दिनांकित: 06.03.2026
भारतीय स्टेट बैंक द्वारा एक्टिव-एलईडी वीडियो वॉल, कंट्रोलर, एडमिन कंसोल और इंस्टलेशन समेत दूसरे संबंधित इंक्रिमेंटर की खरीद के लिए पात्र बोलीदाताओं से बोलियां आमंत्रित करता है और
इंटरेस्टिंग स्मार्ट बोर्ड/मॉनिटर/डिस्प्ले, डिजिटल पोडियम, स्पीकर सिस्टम और माइक्रोफोन और इंस्टलेशन सहित अन्य संबंधित उपकरणों की खरीद, वितरण के लिए, कृपया https://sbi.bank.in और https://gem.gov.in पर प्रोक्योरमेंट न्यूज देखें.
आरएफपी के डाउनलोड का आरंभ : 06.03.2026 को 15:00 बजे से
बोलियां जमा कराने की अंतिम तिथि व समय : 27.03.2026 को 15:00 बजे तक
स्थान: नवी मुंबई
दिनांक: 09.03.2026
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
सूचना सुरक्षा विभाग

सवाल जवाब

एआई एजेंट होंगे सबसे बड़े जोखिम

साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के मुख्य कार्यधिकारी, चेयरमैन और संस्थापक जय चौधरी पिछले महीने एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने के लिए भारत में थे। अभीक दास के साथ बातचीत में उन्होंने एआई से जुड़े सुरक्षा जोखिमों, भारत में संचालन और एआई एजेंटों के संदर्भ में आगामी सुरक्षा चिंताओं पर बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश:

सॉवरिन एआई से जुड़े साइबर सुरक्षा जोखिम क्या हैं?

यदि आप अपने द्वारा बनाए गए सॉवरिन एआई में पांच साल पीछे हैं, तो यह देश के लिए बुरी बात है। और टेक्नॉलजी में समय लगता है। तो, पहला, भारत को सॉवरिन एआई की ओर बढ़ते रहना चाहिए। लेकिन अगर आप टेक्नॉलजी में तीन साल पीछे हैं, तो आप पिछड़ रहे हैं। आप वहां प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते। साइबर में, यह किसी भी अन्य क्षेत्र से अधिक महत्त्वपूर्ण है। यदि आपके द्वारा बनाई जा रही साइबर टेक्नॉलजी तीन साल पीछे है, तो इसका मतलब है कि बुरे लोग अंदर घुस सकते हैं। सॉवरिन एआई और एडवांस्ड टेक्नॉलजी के बीच संतुलन एक मुख्य बात है जिसे लोगों को नहीं भूलना चाहिए।

एआई की वजह से किस तरह के नए साइबर सुरक्षा खतरे सामने आ रहे हैं?

मोटे तौर पर, साइबर सुरक्षा में दो तरह के लोग शामिल हैं। एक हैकर समूह हैं जो जल्दी पैसा कमाना चाहते हैं। दूसरा ग्रुप देशों हैं, जो आईपी चुराना चाहते हैं और युद्ध होने की स्थिति में फायदा उठाना चाहते हैं। इसके लिए, वे आपके नेटवर्क में कंपनी, पावर ग्रिड आदि में बैक डोर और इन सभी बॉटनेट को एम्बेड करना चाहते हैं जो अनिवार्य रूप से स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर हैं। मुझसे सीएफओ के एक समूह ने पूछा कि साइबर पर इतना पैसा खर्च करने के बावजूद ये हमले क्यों होते रहते हैं। इंटरनेट के लिए खुला हर पॉइंट एक अटैक सरफेस है। यह आपका फायरवॉल, वीवीएन और ऐप्लीकेशन पोर्टल है। अतीत में, हैकरों को टारगेट के अटैक सरफेस के बारे में जानकारी जुटाने में कई सप्ताह लगते थे। अब वे एआई की मदद से सब कुछ पूछ सकते हैं। 30 सेकंड से भी कम समय में, आपके पास पूरी तस्वीर उपलब्ध हो जाती है।

भारत में आपके परिचालन का दायरा कितना बड़ा है?

सिलिकन वैली में ऑफिस खोलने से पहले हमने जीस्केलर के लिए बेंगलुरु में ऑफिस खोला था। हमारे लगभग 40 फीसदी कर्मचारी भारत में हैं।

कोलकाता संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जय हरगोविंददास सरैया द्वारा सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, 789, चौथाना वेस्ट, पोस्ट ऑफिस-तिलजला, कोलकाता-700105, प. बंगाल से मुद्रित एवं बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ एपीओ बिज़नेस सेंटर, 15 पार्क स्ट्रीट, एपीओ हाउस, ब्लॉक-सी, 8वां एवं 9वां फ्लोर, कोलकाता-700016, प. बंगाल से प्रकाशित। संपादक :